

नाडी प्रकरण संधि

हरिकथामइतसार गुरुगळ
करुणदिंदापनितु पैळुवे
परम भगवद्दक्तरिदनादरदि कैळुवुदु

वासुदेवनु प्राणमुखत
त्वेशरिंदलि सोवे कैकोळु
ती शरीरदोळिप्प मूवत्तारु साहस
ई सुनाडिगळोळगे श्री भू
मी समेत विहारगैव प
रेशनमलसुमुतिगळ चिंतिसुत हिंगुतिरु १२-१

चरणगळोळिह नाडिगळु ह
न्नेरडु साविर मृद्य दैहदो
ळिरुतिहवु हदिनाल्कु बाहुगळोळगे ईरेरदु
शिरदोळारु साहस चिंतिसि
इरुळु हगलभिमानि दिविजर
नरितुपासने गैववरिळेयोळु स्वगवासिगळु १२-२

बइहति नामक वासुदेवनु

वहिसि स्त्रीपुरुषगळ दोषवि
रहित एप्पत्तेरडु साविर नाडिगळोक्तिद्दु
द्रुहिण मोदलादमरगण सन
महित सव प्राणिगळ मह
महिम संतैसुवनु संतत परम करुणाळु १२-३

नूरु वरुषके दिवस मूव
त्तारु साविरवहवु नाडि श
रीरदोक्तिगिनितिहवु एंदरितोंदुदिवसदलि
सूरिगळ सत्करिसिदव प्रति
वारदलि दंपतिगळचने
ता रचिसिदव सत्य संशयविल्लवेंदेंदु १२-४

चतुरविंशति तत्वगळु त
त्पतिगळेनिसुव ब्रह्ममुख दै
वतेगळनुदिन प्रतिप्रति नाडिगळोक्तिरुतिद्दु
चतुअदश लोकदोळु जीव
प्रतिगळ संरइसुव शा
श्वतन तत्त्वस्थानदलि नोडुतले मोदिपरु १२-५

सत्य संकल्पनु सदा ए

ਘਪਤੇਰੁ ਸਾਹਸਦੋਲੁ ਮੂ
ਵਤੁ ਨਾਲਕੁ ਲਅ ਦੈਵਤਤਾਰੁ ਸਾਹਸ਼
ਚਿਤਪਰਿਕਇਤਿ ਓਡਗ੍ਰਡਿ ਪਰਮ ਸੁ
ਨਿਤਿ ਮੰਗਲ ਮੂਤਿ ਭਕਤਰ
ਤੇਤਿਗਨੁ ਤਾਨਾਗਿ ਸਵਤ੍ਰਦਲਿ ਸਂਤੈਪ ੧੨-੬

ਮਣਿਗਲ਼ੋਕਗਿਹ ਸੂਤ੍ਰਦੰਦਿ
ਪ੍ਰਣਵਪ੍ਰਤਿਪਾਦਯਨੁ ਸਵਚੋਤਨ
ਗਣਦੋਕਿਦਵਨਵਰਤ ਸਂਤੈਸੁਕਨੁ ਤਜਨਵਰ
ਪ੍ਰਣਤ ਕਾਮਦ ਭਕਤ ਚਿੰਤਾ
ਮਣਿ ਚਿਦਾਨਨਦੈਕ ਦੋਹਨੁ
ਅਣੁ ਮਹਦਗਤਨਲਪਰੋਪਾਦਿਯਲਿ ਨੇਲੇਸਿਧ ੧੨-੭

ਈ ਸੁ਷ੁਮਨਾਦਯਖਿਲ ਨਾਦੀ
ਕੌਸ਼ ਨਾਭਿਮੂਲਦਲਿ ਵਝ
ਣਾਸਨਦ ਮਈਦਲਿ ਇਧਦੁ ਤੁੰਦਿਨਾਮਦਲਿ
ਆ ਸਰੋਜਾਸਨ ਮੁਖਰੁ ਮੂ
ਲੋਸ਼ਨਾਨਨਦਾਦਿ ਸੁਗੁਣੋ
ਪਾਸਨੇਯ ਗੈਵੁਤਲਿ ਦੋਹਦੋਲਗੇ ਇਰੁਤਿਹਰੁ ੧੨-੮

ਸੂਰਿਗਲੁ ਚਿਤਤੈਸੁਕਦੁ ਭਾ

गीरथिये मोदलाद तीथग
ळीरधिक एप्पत्तु साविर नाडियोळगिहवु
ई रहस्यवनल्प जनरिगे
तौरि पैळदे नाडि नदियोळु
धीररनुदिन मज्जनव माङुतले सुखिसुवरु १२-९

तिळिवुदी दैहदोळगिह एड
बलद नाडिगळोळगे दिविजरु
जलज संभव वायु वाण्यादिगळु बलदल्लि
एलरुणिग विहगेंद्र चळिवे
टृक्षिय षण्महिषियरु वारुणि
कुलिशधर कामादिगळु एडभागदोळगिहरु १२-१०

इक्केलदोळिह नाडियोळु दै
वक्काळिंदोडनाङुतलि पौं
बक्किदेरनु जीवरधिकारानुसारदलि
तक्क साधनव माडि माडिसु
तक्करदि संतैप भक्तर
दक्कगोदनसुरगे सत्पुण्यगळनपहरिप १२-११

तुंदिविडिदा शिरद परियं

तोंदे व्यापिसि इहुदु तावरे
कंदनिहनदरोळगे इदकीरैदु शाखेगळु
ओंदधिक दशकरणगलु सं
बंधगैदिहवल्लि रवि शशि
सिंधु नासत्यादिगळु नेलेगाँडिहरु सतत १२-१२

पोककळडिविडिदोंदे नाडियु
सुककदले धाराळ रूपदि
सिकिकहुदु नडु देहदोळगे सुषुम्न नामदलि
रक्कसरनोळपोगगोडदे दश
दिकिकनोळगे समीर देवनु
लेकिकसदे मत्तोब्बरनु संचरिप देहदोळु १२-१३

इनितु नाडीशाखेगळु ई
तनुविनोळगिहवेंदु ऐका-
तमनु द्विसप्ति साविरात्मकनागि नाडियोळु
वनितेयिंदोडगूडि नारा
यण दिवारात्रियोळगी परि
वनजजांडोळखिळ जीवरोळिदु मोहिसुव १२-१४

दिन दिनदि वधिसुव कुमुदा

ਪਤਨ ਮਧੂਖਦ ਸੋਬਗ ਗਤ ਲੋ
ਚਨ ਵਿਲੋਕਿਸਿ ਮੌਦਬਡ ਬਲਲਨੇ ਨਿਰਾਂਤਰਦਿ
ਕੁਨਰਗੀ ਸੁਕਥਾਮਇਤਦ ਭੋ
ਜਨਦ ਸੁਖ ਦੋਰਕੁਵੁਦੇ ਲਕੁਮੀ
ਮਨੋਹਰਨ ਸਦਗੁਣਵ ਕਿਤਿਪ ਭਕੁਤਗਲਲਦਲੇ ੧੨-੧੫

ਈ ਤਨੁਵਿਨੋਕਗਿਹਵੁ ਆਤ
ਪ੍ਰੋਤਰੂਪਦਿ ਨਾਡਿਗਲੁ ਪੁਰੁ
ਹੂਤ ਮੁਖਰਲਿਲਹੁ ਤਮਿਮਦਿਕਰੋਡਗ੍ਰਡਿ
ਭੀਤਿਗੋਕਿਸੁਤ ਦਾਨਵਰ ਸਂ
ਘਾਤਨਾਮਕ ਹਰਿਯ ਗੁਣ ਸਂ
ਪ੍ਰੀਤਿਧਿਲਿ ਸਦੁਪਾਸਨੇਯ ਗੈਕੁਤਲੇ ਮੌਦਿਪੁਰੁ ੧੨-੧੬

ਜਲਟ ਕੁਕਕੁਟ ਖੋਟ ਜੀਵਰ
ਕਲੋਵਰਗਲੋਕਗਿਦ੍ਰੁ ਕਾਣਿਸਿ
ਕੋਕਦੇ ਤਤਤਵਪ ਤਨਨਾਮਦਲਿ ਕਰੇਸੁਤਲਿ
ਜਲਰੁਹੋਅਣ ਵਿਵਿਧ ਕਮਂ
ਗਲ ਨਿਰਾਂਤਰ ਮਾਡਿ ਮਾਡਿਸਿ ਤ
ਤਫਲਗੁਲੁਣਣਦੇ ਸੰਚਰਿਸੁਵਨੁ ਨਿਤਿ ਸੁਖਪੂਣ ੧੨-੧੭

ਤਿਕਿਦੁਪਾਸਨੇਗੈਕੁਤੀ ਪਰਿ

मलिननंतिरु दुजनर कं
गळिगे गोचरिसदे विपश्चितरोडने गविसदे
मळे बिसिलु हसि तइषे जयापजय
खळर निंदानिंदे भयगळि
गळुकदले मद्दानेयंददि चरिसु धरेयोळगे १२-१८

कानन ग्रामस्थ सव
प्राणिगळु प्रतिदिवसदलि ऐ
नेनु मादुव कमगळु हरिपूजेयेंदरिदु
धैनिसुत सद्विक्तियलि
पवमानमुख दैवांतरात्मक
श्रीनिवासनिगपिसुत मोदिसुत नलियुतिरु १२-१९

नोकनीयनु लोकदोळु शुनि
सूकरादिगळोळगे नेलेसि
द्वैकमेवाद्वितीय बहुरूपाव्हयगळिंद
ता करेसुतोळगिद्दु तिळिसदे
श्री कमलभव मुख्य सकल दि
वौकसगणाराध्य कैकौंडनुदिनदि पोरेव १२-२०

इनितुपासने गैवुतिह स

ज्जनरु संसारदलि प्रति प्रति
दिनगळलि ऐनेनु माडुवुदेल्ल हरिपूजे
एनिसिकोंबुवु सत्यवी मा
तिनलि संशय बडुव नरन
ल्पनु सुनिश्चय बाह्य कमव माडि फलवेनु १२-२१

भोग्य भोक्तइगळोळगे हरि ता
भोग्य भोक्तनु एनिसि योग्या
योग्य रसगळ दैवदानवगणके उणिसुवनु
भाग्यनिधि भक्तरिगे सद्वै
राग्य भक्ति ज~नानवीवा
योग्यरिगे द्वेषादिगळ तन्नल्लि कोडुतिष्प १२-२२

ई चतुदश भुवनदोळगे च
राचरात्मक जीवरल्लि वि
रोचनात्मज वंचकनु नेलेसिद्दु दिन दिनदि
याचकनु एंदेनिसिकोंब म
रीचिदमन सुहंसरूपि नि
षेचकाव्हयनागि जनरभिलाषे पूरैप १२-२३

अन्नदन्नादन्नमय स्वय

मन्न ब्रह्माद्याखिळ चेतन
कन्न कल्पकनाहननिरुद्धादि रूपादलि
अन्यरनपैइसदे गुणका
रुण्य सागर सइष्टिसुवनु हि
रण्यगभनोळिद्व पालिसुवनु जगत्रयव १२-२४

त्रिपद त्रिदशाध्यअ त्रिस्थ
त्रिपथगामिनिपित त्रिविक्रम
कइपणवत्सल कुवलयदळ ९याम निस्सीम
अपरिमित चित्सुख गुणात्मक
वपुष वैकुंठादि लोका
धिप त्रयीमय तन्नवर निष्कापटदिं पोरेव १२-२५

लवण मिश्रित जलवु तोपुदु
लवण दोपायलि जिःवेगे
विवरगैसलु शख्यवागुवुदेनो नोळपरिगे
श्ववश व्यापी एनिसि लमी
धव चराचरदोळगे तुंबिह
नविदितन साकल्य भल्लवरारु सुररोळगे १२-२६

व्याप्तनंददि सवजीवरो

क्लिप्प चिन्मय घोरभव सं
तप्य मानरु भजीसे भकुतियक्किंदलिहपरदि
प्राप्यनागुवनवरवगुणग
क्लोप्पुगाँबनु भक्त वत्सल
तप्पिसुव बहुजन्म दोषगळवरिगनवरत १२-२७

हलवु बगेयलि हरिय मनदलि
ओलिसि निलिलसि ऐनु माडुव
केलसगळु अवनंघिपूजेगळेंदु नेनेवुतिरु
हलधरानुज ताने सव
स्थळगळलि नेलिसिद्दु निश्चं
चल भकुति सुज~नान भाग्यव कोटु संतैप १२-२८

दोषगंधविदूर नाना
वैषधारक ई जगत्रय
पोषक पुरातन पुरुष पुरुहूत मुखविनुत
शेषवर परियंक शयन वि
भीषण प्रिय विजयसख सं
तोषबडिसुव सुजनरिष्टार्थगळ पूरैसि १२-२९

श्रीमहीसेवित पदांबुज

भूम सद्गतैकलभ्य पि
तामहाद्यमरासुराचित पाद पंकेज
वाम वामन राम संसा
रामयौषध है ममकुल
स्वामि संतैसेनलु बंदोदगुवनु करुणालु १२-३०

दनुज दिविजरोक्तिद्व अवरव
रनुसरिसि कमगळ माळपनु
जननमरणाद्यखिळदोषविदूर एम्मोडने
जनिसुवनु जीविसुव संर
अणेय माडुवनेल्ल कालदि
धनव कायिदिह सपनंतनिमित्त बांधवनु १२-३१

बिसरुहाप्तागसदि तानुद
यिसलु वइअंगळ नेळलु पस
रिसुवुविक्लेयोलु अस्तमिसल्लल्लो लीनिपवु
श्वसन मुख्यमरांतरात्मक
नोशदोक्लिरुतिप्पवु ई जगत्रय
बसिरोक्लिंबिट्टेल्ल कमव तोप नोळपरिगे १२-३२

त्रिभुवनैकाराध्य लमी

सुभुजयुगळालिंगितांग
स्वभु सुखात्म सुवणवण सुपणवरवहन
अभयदानंताक शशिस
निभ निरंजन नित्यदलि तन
गमिनमिसुवरिगीव सवाथगळ तडेयदले १२-३३

कविगळिंदलि तिळिदु प्रातः
सवन मध्यंदिनवु सायम
सवनगळु वसु इद्रादित्यरोळु राजिसुव
पवननोळु कइति जय सुमाया
धवन मूत्रित्रयव चिंतिसि
दिवसवेबाहुतिगळिंदचिसुत सुखिसुतिरु १२-३४

चतुरविंशत्यब्द वसुदे
वतेगळोळु प्रद्युम्ननिष्पनु
चतुश्चत्वारिंशतिगळलि संकषणाख्य
हुतवहाअनोळिहनु माया
पतियु हदिनारधिक द्वात्रि
शति वरुषगळलिष्पनादित्यनोळु सितकाय १२-३५

षोदशोत्तरशत वरुषदलि

शोडशोत्तरशत सुरूपदि
क्रीडिसुव वसुइद्रादित्यरोळु सतिसहित
व्रीडविल्लदे भजिप भक्तर
पीडिसुव दुरितौघगळ दू
रोडिसुत बळियलि बिडदे नेलसिप्प भयहारि १२-३६

मूरधिक एंभत्तु सहस्रै
नूरु इप्पत्तेनिप रूपदि
तोरुतिप्प दिवानिशाधिपरोळगे नित्यदलि
भारती प्राणरोळगिदु नि
वारिसुत भक्तर दुरित हिं
कार निधन प्रथम रूपदि पितइगळने पोरेव १२-३७

बुद्धि पूवक उत्तमोत्तम
शुद्ध ऊणांबरव पंकदो
ळदि तेगेयलु लोपवागुवुदे परीइसलु
पद्मनाभनु सवजीवरो
क्षिद्धरेनु गुणत्रयगळिं
बद्धनागुवनेनो नित्य सुखात्म चिन्मयनु १२-३८

सकल दोषविदुर शशि पा

वक सहसानंत सूर्य
प्रकर सन्निभगात्र लकुमीकळत्र सुरमित्र
विखनसांडदोळिप्प ब्रह्मा
द्यखिळ चैतनगणके ताने
सखनेनिसिकोंडकुटिलात्मकनिष्पन्वरंते १२-३९

देशभेदगळलिल इप्पा
काशदोपादियलि चैतन
राशियोळु नेलेसिष्पनव्यवधानदलि निरुत
श्रीसहित सवत्र निरवा
काश कोडुवंददलि कोडुत नि
राशेयलि सवांतरात्मक शोभिसुव सुखदा १२-४०

श्रीविरीचाद्यमरगण सं
सेवितांघि सरोज ई जड
जीवराशिगळोळहोरगे नेलिसिद्दु नित्यदलि
सावकाशनु एनिसि तन्न क
क्ळेवरदोळिम्बिडु सलहुव
देव देवकिरमण दानवहरण जितमरण १२-४१

मास औंदके प्रतिदिवसदलि

१वासगळु अहवष्ट चत्वा
रिंशति सहस्राधिकारु सुलक्ष संख्येयलि
हंस नामक हरिय षोडश
ई शताब्ददि भजिसे ओलिव द
या समुद्र कुचेलगोलिदंददलि दिनदिनदि १२-४२

स्थूलदेहदोळिद्दु वरुषके
ऐळधिक एप्पत्तु लअद
मैले एप्पत्तारु साविर १वास जपगळनु
गाळिदेवनु करुणदलि ई
रेळु लोकदोळुळळ चैतन
जालदोळु माडुवनु त्रिजगद्व्याप्त परमाप्त १२-४३

ईरेरदु देहगळोळिद्दु स
मीरदेवनु १वास जप ना
नूरधिकवागिष्प एंभत्तारु साहस
ता रचिसुवनु दिवस आँदके
मूरुविध जीवरोळगिद्दु ख
रारि करुणाबलविदेंतुटो पवनरायनोळु १२-४४

श्रीधव जगन्नाथविठ्लनु

ता दयदि वदनदोळु नुडिदो
पादियलि ना नुडिदेनल्लदे केळि बुधजनरु
साधुलिंग प्रदर्शकरु नि
षेधिसिदरैनहुदु एन्नप
राधवेनिदरोळगे पेळवुदु तिक्किद कोविटरु १२-४५